कला दिलों को जोड़ती है -राज्यपाल 24-7-2017

चंडीगढ़, 24 जुलाई। कला दिलों को जोड़ती है और प्रेम-प्यार का विस्तार कर जीवन को महकाती है। इसलिए कलाकारों को संस्कृति के प्रहरी कहा जाता है। यह बात हरियाणा केे राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने स्थानीय टैगोर थियेटर में 'कहानियों का मंचन' कार्यशाला में तीन कहानियों का मंचन देखने के बाद अपने संबोधन में कही।

कार्यशाला का आयोजन हरियाणा कला परिषद् व हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा किया गया था। तीनों कहानियों को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। इनमें डाॅ0 गार्गी द्वारा लिखित 'बित्ते भर की बैरन साध', श्री सुरेश बरनवाल द्वारा लिखित 'अस्थि विसर्जन' और सुशील हसरत नरेलवी द्वारा लिखित 'पथेरे' शामिल हैं। मंचन का निर्देशन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक प्रो0 देवेन्द्र राज अंकुर ने किया।

राज्यपाल ने आगे कहा कि कहानियां कही व सुनी जाती रही हैं, लेकिन इनका सजीव मंचन करके नई पीढी में साहित्य के प्रति रूचि जगाने का सराहनीय प्रयास किया गया है। उन्होंने कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और हरियाणा साहित्य अकादमी को अपने स्वैच्छिक कोष से पांच लाख रूपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की।

इससे पहले हरियाणा कला परिषद् के उपाध्यक्ष सुदेश शर्मा ने राज्यपाल का स्वागत किया और परिषद् के कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर हरियाणा साहित्य अकादमी की निदेशक श्रीमती कुमुद बंसल, हरियाणा कला परिषद् के अतिरिक्त मुख्य सलाहकार संजय भसीन आदि उपस्थित थे।